अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मे 2024

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 21/04/2024 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिये ।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1. पाठ्यक्रम के विस्तृत अध्ययन के रागों (3+2+5+5=15)
मे से किसी एक राग का राग परिचय तथा संक्षिप्त मुक्त स्वर विस्तार सहित बडा ख्याल अथवा मसीतखानी गत स्थायी, अंतरा सहित स्वर लिपीबद्ध करे ।

प्र.2. पाठ्यक्रम के साधारण अध्ययन के रागों में (5+5+5=15)
से किसी भी एक राग में धृपद स्थाई अंतरा एवम केवल स्थाई की तिगुन सहित पं.पलुसकर लिपी में स्वर-लिपीबद्ध करे ।

प्र.3. निम्नलिखित तालोंका संपूर्ण परिचय देकर (3x5=15)
उनके ठेके, लयकारी सुचनानुसार लिखे । (कोई भी तीन)
(किसी भी स्वरलिपी में लिखें)

i. सूलताल (चौगुन) ii. तिलवाडा (दुगून)
iii. झुमरा (तिगुन) iv. रुपक (चौगुन)
v. धमार (तिगुन)

प्र.4. (सा) रिक्त स्थानों की पूर्ती करे । (10)

1. भैरवी थाट में ---------- यह स्वर कोमल होते है ।
2. राग में कमसे कम ---------- स्वर होना आवश्यक है ।
3. हमीर राग का थाट ---------- है ।
4. बागेश्री राग के आरोह में ---------- स्वर वर्जीत है ।
5. भारतीय संगीत में स्वर देने के लिए ---------- यह वाद्य मुख्य होता है ।
6. थाट में ---------- स्वर होने आवश्यक है ।

7. --------और ---------- यह अचल स्वर कहलाते है।
8. वादी तथा संवादी स्वरों को छोडकर राग में लगने वाले अन्य सभी स्वर ---------- कहलाते है।
9. जो नाद किसी आघात व्दारा उत्पन्न होता है उसे ---------- नाद कहते है।
10. किसी निश्चित स्वर से दूसरे स्वर तक घर्षण व्दारा जाना ------- --- कहलाता है।

रे) **जोडियाँ मिलाइए।** **(05)**

i. देसकार राग का सम प्राकृतिक राग	a) पटदीप
ii. अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग	b) बिहाग
iii. अवरोह में तीव्र मध्यम का प्रयोग	c) अल्हैया बिलावल
iv. कोमल गंधार और शेष स्वरशुद्ध	d) खमाज
v. दिन का दुसरा प्रहर	e) भूप

प्र.5. संक्षिप्त टिपणीयाँ लिखे। (कोई तीन) **(3x5=15)**

i. सात स्वरों में 22 श्रुतियों का विभाजन (आधुनिक मत)
ii. संधिप्रकाश राग।
iii. स्वरसंख्या पर आधारित राग विभाजन (जातियाँ)।
iv. ध्वनिकी उत्पत्ति, कंपन तथा आंदोलन।
v. तान तथा–शुद्ध, मिश्र, सपाट तान इन तीन प्रकारों सोदाहरण स्पष्ट करना।

प्र.6. (सा) पं.भातखंडे तथा पं.पलुस्कर स्वरलिपी का तुलनात्मक विवेचन करे। **(10)**

(रे) ख्याल के बारे में जानकारी लिखे। **(05)**

प्र.7. किसी एक की जीवनी लिखे। **(15)**

i. पं.बालकृष्णबुवा इचलकरंजीकर
ii. पं.शिवकुमार शर्मा
iii. तानसेन

Exam : Madhyama Prathan

Subject : Vocal and Instrumental

Date : 21/04/2024 Timing : 9am to 12 noon Total Marks - 75

Note : 1) Any five questions to be attempted.
2) All question carries equel marks.

Q.1 **According to the Syllabys, from given brief Acknowledgement Ragas, write any one Raga, with detailed information, Raga Vistar and also "Bada Khayal, or Masitkhani Gata, Sthayee Antara along with Swara - Notation".** **(3+2+5+5=15)**

Q. 2 **According to the Syllabus, Raga's given for primary Acknowledgement write Drupda with Sthayee, Antara and also Tiguna of "Sthayee" in Pt. Paluskar Notation System.** **(5+5+5=15)**

Q. 3 **Give brief introduction of given below "Tala's" along with there "Theka's" and Layakari noted below.**
(Write in any Notaion System) (Any Three) **(15)**

1) Sulataal (Chouguna)
2) Tilwada (Duguna)
3) Zhumara (Tiguna)
4) Rupaka (Chouguna)
5) Dhamar (Tiguna)

Q. 4 **(sa) Fill in the gaps, given below :** **(10)**

1) .....Swara's are komal in "Bhairav Thata".
2) A Raga should has aleast ..... Swara's.
3) ..... is the "Thata" of "Hameer Raga".
4) In Raga "Bageshri" ..... are the "Varjit" Swara's in Aaroha.
5) ..... is the Accompanying instrument of Indian Music.
6) There should be ..... Swara's in a "Thata".
7) ..... and.....are the "Achala" Swara's.

8) Excluding "Vaadi and Samvaadi" Swara's of any Raga the remaining Swara's are known as ..... Swara's.

9) "Nada" produced by any "Rhthemic Aaghat" is called as ..... "Nada".

10) From the Specific "Swara" to other swara Singing or Playing with "Gharshan" is called as ..... Swara.

(Re) Match the Pairs **(05)**

(A)	(B)
1) Samaprakrutik Raga of Raga Deshkar	1) Pratadeep
2) Usage of Komal Nishad in Avaroh	2) Bihag
3) Usage of Tivra Madhyam in Avaroh	3) Allaiya Bilaval
4) Komal Gandhar and remaining shudha Swara's	4) Khamaj
5) Second Prahar of the Day	5) Bhupa

Q. 5 Write short notes for the following. (3x5=15)
(Any three)

1) Dividing 22 shruti's in seven Swara's (Modern point of view)
2) Sandhiprakash Raga.
3) Raga Vibhajan according to Swara sankhya (Jaati's)
4) Producing of "Dhwani", Kampana also Aandolan.
5) Tana, with Shudha, Mishra, Sapat Variations and explaning with examples.

Q. 6 Sa) Give brief discussion on Pt. Bhatkhande and Pt. Paluksar Notation System with comparative aspects. (10)

Re) Write information about khayal. (05)

Q. 7 Write any on "Biography" from the following. (15)

1) Pt. Balkrushnabua Ichalkaranjikar
2) Pt. Shivakumar Sharma
3) Tanasena